फेम इंडिया का दूसरा चरण

हाल ही में **भारी उद्योग राज्य मंत्रालय** ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में भारत में (हाइब्रिड और) इलेक्ट्रिक वाहनों को तेज़ी से अपनाने एवं विनिर्माण (फेम इंडिया) योजना चरण/फेज-II के विकास पर प्रकाश डाला।

- देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (Electric Vehicles- EVs) को **बढ़ावा देने** के उद्देश्य से फेम इंडिया योजना ने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने और इलेक्ट्रिक गतिशीलता बुनियादी ढाँचे के विस्तार में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

फेम इंडिया फेज-II:

- **पृष्ठभूमि:**
  - **'फेम इंडिया' नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन (NEMM)** का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। 'फेम' का मुख्य ज़ोर सब्सिडी प्रदान करके इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करना है।
  - **योजना के दो चरण:**
    - **चरण-I:** यह वर्ष 2015 में शुरू हुआ और 31 मार्च, 2019 को पूरा हो गया।
  - इस योजना में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक तकनीक जैसे- **माइल्ड हाइब्रिड, स्ट्रांग हाइब्रिड, प्लग इन हाइब्रिड और बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन** शामिल हैं।
- **चरण-II:**
  - **अवधि: 1 अप्रैल, 2019 से पाँच वर्ष।**
    - **बजटीय सहायता:** 10,000 करोड़ रुपए।
    - **लक्ष्य:** 7,090 e-बस, 5 लाख e-3 व्हीलर, 55,000 e-4 व्हीलर पैसेंजर कार और 10 लाख e-2 व्हीलर को अपनाने हेतु प्रोत्साहित करना।
    - **फोकस: सार्वजनिक और साझा परिवहन** का विद्युतीकरण।
- **इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिये उठाए गए कदम:**
  - **EV चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार:**
    - **चरण-I के तहत:** 520 चार्जिंग स्टेशन/बुनियादी ढाँचे को मंज़ूरी।
    - **चरण-II:** 25 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 68 शहरों में 2,877 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों तथा 9 एक्सप्रेस-वे और 16 राजमार्गों पर 1,576 चार्जिंग स्टेशनों को मंज़ूरी।
    - **OMC के लिये पूंजीगत सब्सिडी:** 7,432 इलेक्ट्रिक वाहनों के सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिये 800 करोड़ रुपए स्वीकृत।

फेम इंडिया योजना चरण-II के तहत बेचे गए इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) का विवरण 21.07.2023 तक इस प्रकार है:

क्रमसं.	व्हीलर टाइप	पंजीकृत एवं पुनर्वैध मॉडल	पंजीकृत OEM	21.07.2023 तक FAME-II के तहत बेचे गए वाहनों की कुल संख्या
1	2 व्हीलर	45	25	7,40,722
2	3 व्हीलर	96	28	83,420
3	4 व्हीलर	34	3	8,982
कुल		175	56	8,32,824

- **इलेक्ट्रिक वाहनों के लिये सरकारी प्रोत्साहन और सब्सिडी:**
  - **फेम इंडिया योजना चरण-II:**
    - **क्रेताओं के लिये EV की खरीद कीमत में** अग्रिम कटौती।
  - **ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिये उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (Production Linked Incentive Scheme- PLI Scheme) योजना:**
    - इलेक्ट्रिक वाहनों सहित वाहनों के घरेलू विनिर्माण को समर्थन देने के लिये 25,938 करोड़ रुपए का बजटीय परिव्यय।
  - **उन्नत रसायन विज्ञान सेल (Advanced Chemistry Cell- ACC) के लिये PLI योजना:**

- **देश में** प्रतिस्पर्द्धी **ACC बैटरी मैन्युफैक्चरिंग सेटअप** स्थापित करने के लिये 18,100 करोड़ रुपए का बजटीय परिव्यय।

- **GST और छूट में कमी:**
  - **इलेक्ट्रिक वाहनों पर GST 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत की गई है।**
  - **इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जर/चार्जिंग स्टेशन** पर GST **18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत की गई है।**
- **छूट और शुल्क माफ:**
  - बैटरी से चलने वाले वाहनों को **परमिट आवश्यकताओं में** छूट दी जाती है, उन्हें **हरे रंग की लाइसेंस प्लेट प्रदान** की जाती है।
  - सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने **राज्यों को प्रारंभिक लागत कम करने के लिये इलेक्ट्रिक वाहनों पर रोड शुल्क माफ करने की** सलाह दी।
- **ई-गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिये जागरूकता पहल:**
  - भारत के कॉलेजों/विश्वविद्यालयों और संस्थानों में इलेक्ट्रिक वाहनों के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न पहलें।
  - इलेक्ट्रिक वाहनों से संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों के लिये **इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (ICAT)** के साथ सहयोग।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/fame-india-phase-ii